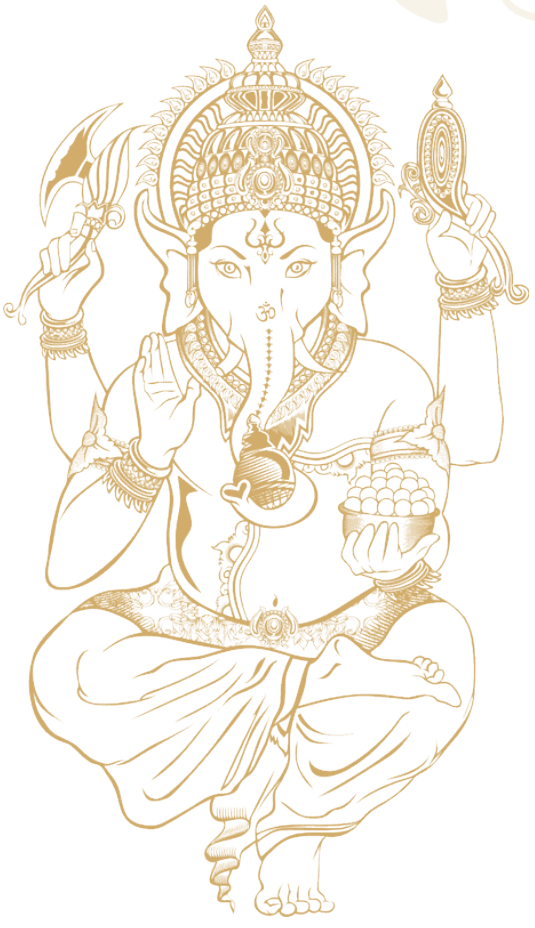

Ankur Hmh

06 Nov 1998

03:10 PM

Hanumangarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121911202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/11/1998**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**15:10:00 घंटे**
इष्ट	20:51:04 घटी
स्थान	**Hanumangarh**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	29:33:00 उत्तर
रेखांश	74:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:37:24 घंटे
वेलान्तर	00:16:25 घंटे
साम्पातिक काल	17:39:02 घंटे
सूर्योदय	06:49:34 घंटे
सूर्यास्त	17:42:44 घंटे
दिनमान	10:53:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	19:55:50 तुला
लग्न के अंश	28:35:40 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	परिघ
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वुभेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	28:35:40	519:13:33	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	19:55:50	01:00:09	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	नीच राशि
चंद्र			वृष	20:53:59	14:53:08	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			सिंह	24:05:13	00:35:10	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	12:09:55	01:12:25	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	सम राशि
गुरु	व		कुंभ	24:24:38	00:01:28	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
शुक्र		अ	तुला	21:45:32	01:15:16	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	स्वराशि
शनि	व		मेष	05:15:06	00:04:33	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	नीच राशि
राहु	व		सिंह	04:17:49	00:10:06	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	04:17:49	00:10:06	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	15:07:06	00:00:57	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	05:43:56	00:00:52	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	13:09:49	00:02:12	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			धनु	01:20:53	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:16

लग्न-चलित

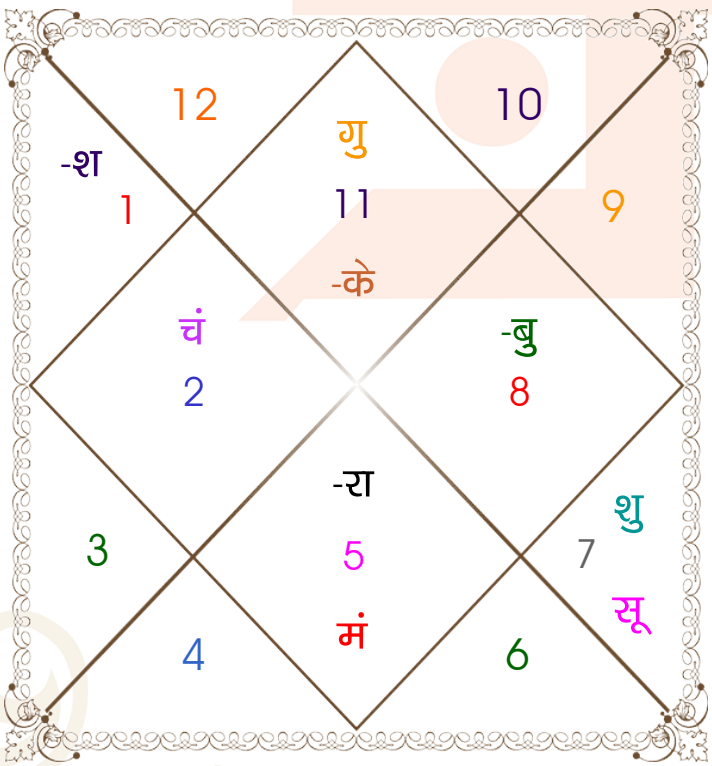

चन्द्र कुंडली

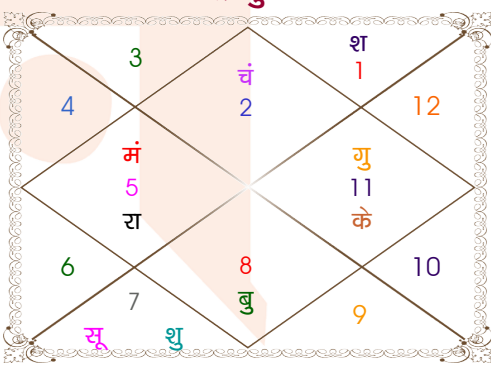

नवमांश कुंडली

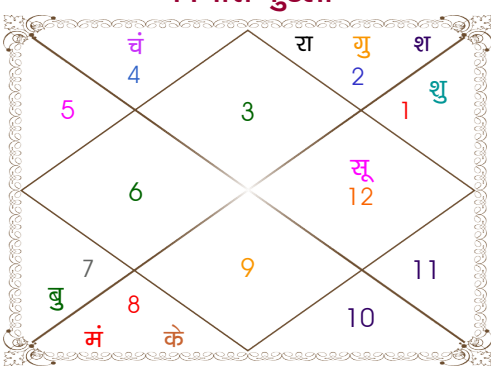

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 9 मास 27 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
06/11/1998		03/09/2000		04/09/2007		03/09/2025		03/09/2041	
03/09/2000		04/09/2007		03/09/2025		03/09/2041		03/09/2060	
	00/00/0000	मंगल	30/01/2001	राहु	17/05/2010	गुरु	22/10/2027	शनि	06/09/2044
	00/00/0000	राहु	17/02/2002	गुरु	09/10/2012	शनि	05/05/2030	बुध	17/05/2047
	00/00/0000	गुरु	24/01/2003	शनि	16/08/2015	बुध	09/08/2032	केतु	25/06/2048
	00/00/0000	शनि	04/03/2004	बुध	05/03/2018	केतु	16/07/2033	शुक्र	25/08/2051
	00/00/0000	बुध	01/03/2005	केतु	23/03/2019	शुक्र	16/03/2036	सूर्य	06/08/2052
	00/00/0000	केतु	29/07/2005	शुक्र	23/03/2022	सूर्य	03/01/2037	चंद्र	08/03/2054
	06/11/1998	शुक्र	28/09/2006	सूर्य	15/02/2023	चंद्र	05/05/2038	मंगल	17/04/2055
शुक्र	04/03/2000	सूर्य	02/02/2007	चंद्र	16/08/2024	मंगल	10/04/2039	राहु	20/02/2058
सूर्य	03/09/2000	चंद्र	04/09/2007	मंगल	03/09/2025	राहु	03/09/2041	गुरु	03/09/2060

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
03/09/2060		03/09/2077		03/09/2084		04/09/2104		04/09/2110	
03/09/2077		03/09/2084		04/09/2104		04/09/2110		00/00/0000	
बुध	30/01/2063	केतु	30/01/2078	शुक्र	03/01/2088	सूर्य	22/12/2104	चंद्र	06/07/2111
केतु	28/01/2064	शुक्र	01/04/2079	सूर्य	03/01/2089	चंद्र	23/06/2105	मंगल	04/02/2112
शुक्र	28/11/2066	सूर्य	07/08/2079	चंद्र	03/09/2090	मंगल	29/10/2105	राहु	05/08/2113
सूर्य	04/10/2067	चंद्र	07/03/2080	मंगल	03/11/2091	राहु	23/09/2106	गुरु	05/12/2114
चंद्र	04/03/2069	मंगल	03/08/2080	राहु	03/11/2094	गुरु	12/07/2107	शनि	05/07/2116
मंगल	02/03/2070	राहु	22/08/2081	गुरु	04/07/2097	शनि	23/06/2108	बुध	04/12/2117
राहु	18/09/2072	गुरु	29/07/2082	शनि	04/09/2100	बुध	29/04/2109	केतु	05/07/2118
गुरु	25/12/2074	शनि	07/09/2083	बुध	06/07/2103	केतु	04/09/2109	शुक्र	07/11/2118
शनि	03/09/2077	बुध	03/09/2084	केतु	04/09/2104	शुक्र	04/09/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 10 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस लग्नादिक समन्वय स्थिति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रारूप चमत्कृत नियमावली में अंकित है। आपका जीवन गप-शप एवं सुखद वातावरण में व्यतीत होगा तथा आप पर्याप्त धन-दौलत से युक्त संपन्न एवं आपका घर-परिवार प्रसन्न रहेंगे।

आप धनोपार्जन के कलाकार एवं मास्टर हैं। आप दूसरे के साथ उदार भावनाओं से युक्त सहायता करने वाले हैं। आप शीघ्रता पूर्वक पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर उसे सुरक्षित कर सकेंगे। आप निश्चित रूप से आलसी नहीं है। आप महत्वपूर्ण विषयों का गहनतापूर्वक अध्ययन कर उस कार्यक्रम को विकसित करने के प्रति रूचिवान रहेंगे। आप धर्म दर्शन शास्त्र का सदैव अध्ययन कर सकेंगे। आपके लिए कार्य-व्यवसायों में अनुकूल धार्मिक एवं दार्शनिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, भाषा ज्ञान का कार्य शैक्षणिक कार्य एवं राजनीति के कार्य लाभदायक पथ हैं। आप इन चिह्नित कार्य-व्यवसायों में से कोई भी कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप वास्तव में उच्च स्तरीय विषयों पर चिंतन करने से दिलचस्पी रखते हो। आप मृत्यु के पश्चात जीवन की क्या गति होती है। इसके संबंध में ज्ञान प्राप्त करना चाहते हो। आप यदा-कदा ऐसा सोचते है कि सभी कुछ को त्याग कर जीवन दर्शन का ध्यान साधना करें।

अन्यथा आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में अत्यंत व्यस्त रहने वाले व्यवस्थित प्राणी हैं। आप भीड़-भाड़ से बच कर सिर के बल सर्वप्रथम प्रमुख विषयों का अध्ययन कर अपनी कार्य योजना को विकसित करने की कार्य शैली पर विचार करते हो। दूसरी बात यह है कि आप अपने पक्ष में उत्कृष्ट पहुंच प्राप्त करने के लिए सामर्थ्यवान है। आप विधि पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने हेतु सक्षम प्राणी हैं।

परंतु आपके सभी समर्पित कार्य विश्वसनीयता के माध्यम से संचालित होता है। बल्कि आप धनोपार्जन हेतु कोई गलत ढंग मार्ग या पहुंच नहीं चाहते। आप दूसरों के माध्यम से उपर्युक्त विषयों के संबंध में (खुलम खुल्ला) प्रत्यक्ष रूप से अव्यवस्थित मूल्यांकन करना नहीं चाहते। आपसे संबंधित कुछ मित्र विजय श्री प्राप्त करना चाहते हैं। परंतु आपको सतर्क रहना चाहिए। आप अत्यंत सावधान रह कर, अपने निकट संबंधियों का ध्यान रखें, क्योंकि कुछ लोग आपकी योजना के प्रति धोखा-धड़ी करके आपकी सफलता को अवरूद्ध कर स्वयं आगे निकल जाएं।

जहां तक आपके समक्ष स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं बिल्कुल ठीक है। परंतु आयु की वृद्धि के साथ-साथ कतिपय रोगादि सामान्य कुप्रभाव डाल सकते हैं, जिसके आधार पर आपको अधिक चिंताग्रस्त बना सकता है। अतः आप रक्तचाप, मिरगी, जॉनडिस, ट्यूमर आदि रोगों के प्रति समय-समय पर अपने चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा। आपके उत्तम घरेलू वातावरण के प्रभाव से भी आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप अपने गृहस्थाश्रम के

संबंध में भाग्यशाली हैं, क्योंकि आपके जीवन में बुद्धिमती पत्नी एवं समझदार पुत्र आपके आनंददायक जीवन में सहायक होंगे।

ऐसा संदेह है कि आप प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं अथवा नहीं? आप एक अत्यंत समृद्धिशाली व्यक्ति के समान धनी हो जाओगे। परंतु कुछ समय के बाद आप आवश्यकता के अनुरूप अपने को बना लेंगे। आप में एक परिश्रमी कार्य कर्त्ता के गुण विद्यमान हैं तथा आप धैर्यपूर्वक किसी कार्य के परिणाम की प्रतीक्षा करते हैं। सब कुछ के बाद आप धन को ही प्राथमिकता नहीं देते तथा निरंतर इसके पीछे नहीं पड़े रहते हैं। परंतु मात्र सांसारिक आवश्यकता हेतु आवश्यक है।

आप सदैव अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक पर भरोसा रख सकते हैं तथा इस अंक की प्रधानता देते हुए इसका व्यवहार अपने जीवन में कर सकते है क्योंकि ये अंक आपके लिए हितकर है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु नारंगी, नीला एवं हरा रंग आपके लिए प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शनिवार एवं शुक्रवार का दिन लाभदायक है। परंतु शेष सोमवार, मंगलवार एवं रविवार, का दिन अव्यवहारणीय है।